Series S3QRP/3

SET-2

प्रश्न-पत्र कोड **29/3/2**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या 14 है । **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **दो** खण्ड हैं — खण्ड अ और ब ।*

(iii) ***खण्ड अ** में 40 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उप-प्रश्न पूछे गए हैं । दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी उप-प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

(iv) ***खण्ड ब** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं ।*

(v) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए ।*

(vi) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए ।*

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड अ

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न) **40 अंक**

1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *8×1=8*

चलते चलो, चलते चलो
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो !
तम के जो बंदी थे
सूरज ने मुक्त किए
किरनों से गगन पोंछ
धरती को रँग दिए,
सूरज को विजय मिली, ऋतुओं की रात हुई
कह दो इन तारों से चंदा के संग-संग चलते चलो !

रत्नमयी वसुधा पर
चलने को चरण दिए
बैठी उस क्षितिज पार
लक्ष्मी श्रृंगार किए
आज तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हें दास कहे
स्वामी तुम ऋतुओं के, संवत् के संग-संग चलते चलो !

नदियों ने चलकर ही
सागर का रूप लिया
मेघों ने चलकर ही
धरती को गर्भ दिया
रुकने का मरण नाम, पीछे सब प्रस्तर है ।
आगे है देवयान, युग के ही संग-संग चलते चलो !

मानव जिस ओर गया
नगर बसे, तीर्थ बने
तुमसे है कौन बड़ा
गगन-सिंधु मित्र बने
भूमा का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलते चलो !

https://www.evidyarthi.in/

(i) 'तम के बंदी' किन्हें कहा गया है ?

(A) पृथ्वी के जीव-जंतुओं को

(B) आकाश के चाँद-तारों को

(C) रात्रि में विचरण करने वाले जंतुओं को

(D) आकाश में पाए जाने वाले नक्षत्रों को

(ii) 'किरणों से गगन पोंछने' का अभिप्राय है :

(A) सूर्य की किरणों द्वारा आकाश की कालिमा को दूर करना

(B) चाँद-तारों की उपस्थिति को हटाना

(C) रात्रि की भयावहता को दूर हटाना

(D) सूर्य द्वारा अपना स्वर्णिम प्रकाश आकाश में फैला कालिमा को दूर करना

(iii) कवि ने चलते चलो का संदेश किसे दिया है ?

(A) सागर से मिलने जाने वाली नदियों को

(B) चंद्रमा के साथ-साथ चलने वाले तारों को

(C) जीवन रूपी मार्ग पर बढ़ने वाले यात्री को

(D) आकाश का कोना-कोना नापने वाले मेघों को

(iv) वसुधा को रत्नमयी कहने का आधार है :

(A) अनेक बहुमूल्य रत्नों को धारण करना

(B) विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं को धारण करना

(C) जीवनदायी जल को धारण करना

(D) जीवनदायी भोग्य-पदार्थों को धारण करना

(v) 'मेघों ने चलकर ही धरती को गर्भ दिया' – पंक्ति का भाव है कि मेघों ने ही धरती को :

(A) जलयुक्त किया (B) जीवन प्रदान किया

(C) फलवती किया (D) रत्नमयी किया

https://www.evidyarthi.in/

(vi) निम्नलिखित में से किस पंक्ति में मनुष्य के सामर्थ्य का उल्लेख हुआ है ?

(A) आज तुम्हें मुक्ति मिली, कौन तुम्हे दास कहे

(B) तुमसे है कौन बड़ा, गगन-सिंधु मित्र बने

(C) भूमा का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो

(D) सूरज को विजय मिली, ऋतुओं की रात हुई

(vii) 'मानव जिस ओर गया, नगर बसे, तीर्थ बने' — पंक्ति मनुष्य की किस विशेषता की ओर संकेत करती है ?

(A) कला प्रियता

(B) सौंदर्य बोध

(C) धार्मिक आस्था

(D) रचनात्मकता

(viii) 'त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलते चलो !' पंक्ति में 'जीर्ण वसन' से आशय है :

(A) पुराने वस्त्र

(B) फटे वस्त्र

(C) रूढ़िवादी रीतिरिवाज

(D) पारंपरिक रीतिरिवाज

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *10×1=10*

विश्व की आबादी बढ़ने के साथ ही कृषि योग्य भूमि की कमी एक बड़ी समस्या बनकर उभरी है । ऐसे में लोगों को कृषि के संदर्भ में अधिक रचनात्मकता और कुशलता अर्जित करने की आवश्यकता है । इसके तहत कम भूमि के उपयोग से ही फ़सल की उपज और उत्पादकता को बढ़ाने पर विशेष जोर देना होगा । कृषि सुधार के कई बड़े प्रयासों के बावजूद यह क्षेत्र आज भी अनेक समस्याओं से जूझ रहा है । इस संदर्भ में जलवायु परिवर्तन और खाद्य असुरक्षा जैसी समस्याओं के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) उत्पादकता को बढ़ाने में सहायक हो सकती है । कृत्रिम बुद्धिमत्ता किसी कंप्यूटर या मशीन द्वारा मानव मस्तिष्क के सामर्थ्य की नकल करने की क्षमता है ।

https://www.evidyarthi.in/

भारत में मृदा के प्रकार, जलवायु और स्थलाकृति विविधता के कारण यहाँ से प्राप्त डेटा कृषि के लिए अत्याधुनिक ए.आई. उपकरण तथा अन्य कृषि समाधान विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा । कृषि के विभिन्न घटकों में प्रतिदिन सैकड़ों और हजारों प्रकार के डेटा (जैसे मृदा, उर्वरकों की प्रभाविकता आदि) उपलब्ध होते हैं । ए.आई. की मदद से किसान मौसम, तापमान, पानी के उपयोग या अपने खेत की मिट्टी का विश्लेषण कर, समस्याओं को पहचानकर बेहतर निर्णय ले सकेंगे । ए.आई. सेंसर खरपतवारों की पहचान कर सकते हैं और फिर उनकी पहचान के आधार पर उपयुक्त खरपतवारनाशक का चुनाव कर सटीक मात्रा में खरपतवारनाशक का छिड़काव कर सकते हैं । जिससे कृषि क्षेत्र में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक विषाक्त पदार्थों के अनावश्यक प्रयोग को सीमित करने में सहायता मिलती है ।

कृषि आय में गिरावट के कारण इस क्षेत्र को श्रमिकों द्वारा बहुत कम प्राथमिकता दी जाती है । श्रमिकों की इस कमी को दूर करने में ए.आई. कृषि बॉट्स एक उपयुक्त समाधान हो सकते हैं । किसानों द्वारा कृषि से जुड़े परामर्श के लिए ए.आई. की सहायता ली जा रही है ।

हाल ही में कृषि क्षेत्र में हुए बड़े सुधारों के परिणामस्वरूप भविष्य में कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के प्रसार की भी संभावनाएँ हैं । इन प्रयासों के माध्यम से कृषि में ए.आई. को अपनाए जाने की पहलों को बढ़ावा मिलेगा ।

(i) इस गद्यांश का वर्ण्य विषय है :

(A) कृषि क्षेत्र में बढ़ती संभावनाएँ

(B) कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याएँ

(C) कृत्रिम बुद्धिमत्ता : एक वरदान

(D) कृषि क्षेत्र और कृत्रिम बौद्धिकता

(ii) गद्यांश के आधार पर विश्व की बढ़ती आबादी चिंता का विषय क्यों है ?

(A) कृषि योग्य भूमि की कमी के कारण

(B) प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण

(C) पर्यावरण को क्षति पहुँचने के कारण

(D) प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण

(iii) विश्व की बढ़ती आबादी को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक है :

(A) कम लागत वाली फ़सलों का उत्पादन बढ़ाना

(B) कृषि क्षेत्र में श्रम-बल को बढ़ावा देना

(C) कृषि क्षेत्र में अधिक रचनात्मकता और कुशलता अर्जित करना

(D) मृदा की उर्वरता को बढ़ाने के लिए उर्वरकों का प्रयोग करना

https://www.evidyarthi.in/

(iv) मृदा की उर्वरता का अर्थ है :

(A) मिट्टी की नमी
(B) मिट्टी की सतह
(C) मिट्टी की विभिन्नता
(D) मिट्टी का उपजाऊपन

(v) भारतीय कृषि, कृषि वैज्ञानिकों के लिए कृषि समाधान संबंधी ए.आई. उपकरण विकसित करने में सहायक क्यों है ?

(A) कृषि प्रधान देश होने के कारण
(B) कृषि संबंधी विशाल संसाधनों के कारण
(C) जलवायु की विविधता के कारण
(D) भौगोलिक विविधता के कारण

(vi) निम्नलिखित में से कृषि संबंधी घटक ***नहीं*** है :

(A) मृदा
(B) उर्वरक
(C) कीटनाशक
(D) फल-सब्ज़ियाँ

(vii) गद्यांश के आधार पर कृषि क्षेत्र में अधिक सटीकता लाने के लिए आवश्यक है :

(A) सिंचाई के लिए उत्तम साधनों का प्रबंध
(B) कृषि क्षेत्र में ए.आई. तकनीक का प्रयोग
(C) खेती के अत्याधुनिक उपकरणों का प्रयोग
(D) मौसम का सटीक अनुमान लगाने वाली तकनीक का प्रयोग

(viii) कृषि क्षेत्र में कार्य बल की कमी क्यों है ?

(A) कृषि क्षेत्र में होने वाली कम आय के कारण
(B) कृषि क्षेत्र में लगने वाले कठोर श्रम के कारण
(C) युवकों का शहरों की ओर पलायन के कारण
(D) सफ़ेदपोश नौकरी के मोह के कारण

(ix) गद्यांश के आधार पर कृषि क्षेत्र में उपस्थित कार्यबल की समस्या को दूर किया जा सकता है :

(A) कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त कृषि बॉट्स की मदद से
(B) गाँव में रोज़गार के साधन उपलब्ध कराकर
(C) शहरों के समान गाँवों को सुविधा संपन्न बनाकर
(D) कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को सुविधाएँ देकर

https://www.evidyarthi.in/

(x) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(I) कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग कर उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है ।

(II) खरपतवार मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ।

(III) कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग हानिकारक है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं ?

विकल्प :

(A) केवल कथन (I) सही है ।

(B) केवल कथन (II) सही है ।

(C) कथन (I) और (II) सही हैं ।

(D) कथन (I) और (III) सही हैं ।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *7×1=7*

(i) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में 'आशा से ज्यादा दीर्घजीवी और कोई वस्तु नहीं होती' – यह कथन किस संदर्भ में कहा गया है ?

(A) सूरदास के मन में राख के ढेर में पैसों की पोटली दबी होने के

(B) सुभागी द्वारा भैरों के पास से सूरदास के पैसे वापस ले आने के

(C) सूरदास द्वारा नए सिरे से झोपड़ी बनाने के

(D) सूरदास द्वारा पुनः पैसे एकत्रित करने के

(ii) 'उसने तो भीख माँगकर ही जमा किए हैं, गेहूँ तो नहीं तौला था ।' – इस कथन का आशय है :

(A) गेहूँ बेचकर पैसे नहीं कमाए थे ।

(B) खेतों में गेहूँ उगाकर पैसे नहीं कमाए थे ।

(C) पैसे कमाने के लिए गेहूँ नहीं तोला था ।

(D) पैसे कमाने के लिए परिश्रम नहीं किया था ।

https://www.evidyarthi.in/

(iii) ‘दमड़ी छदाम-कौड़ियों के लिए टेनी मारता हूँ’ – इस कथन में ‘टेनी मारना’ का अर्थ है :

(A) बेईमानी करना

(B) कम तौलना

(C) झूठ बोलना

(D) मेहनत करना

(iv) ‘बिस्कोहर की माटी’ पाठ में बिसनाथ पर किस अत्याचार के होने की बात कही गई है ?

(A) वे दूध कटहा हो गए थे ।

(B) उन्हें दाई के साथ सोना पड़ रहा था ।

(C) उन्हें कथरी पर लेटना पड़ता था ।

(D) उन्हें माँ के प्रेम से वंचित होना पड़ता था ।

(v) अंडज पक्षियों को किस सुख से वंचित रहना पड़ता है ?

(A) माँ की सुरक्षा से

(B) माँ की ममता से

(C) माँ के पालन-पोषण से

(D) माँ द्वारा कराए गए दुग्ध-पान से

(vi) ‘खूब मनाओ दसेरा-दिवाली । अबकी मालवा खूब पाक्यो है ।’ – इस कथन का अर्थ है :

(A) मालवा में खूब वर्षा होने से हर दिन त्योहार है ।

(B) मालवा में खूब वर्षा होने से खूब फ़सल होगी ।

(C) मालवा में संपन्नता होने से त्योहार अच्छे से मनाओ ।

(D) भरपूर फ़सल होने से त्योहार खुशी से मनाओ ।

(vii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : ये सदानीरा नदियाँ अब मालवा के गालों के आँसू भी नहीं बहा सकती ।

कारण : ये नदियाँ सड़े नालों में बदल गईं हैं ।

विकल्प :

(A) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कथन सही है किंतु कारण ग़लत है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

https://www.evidyarthi.in/

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

(i) आपके क्षेत्र में जल भराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है । आए दिन लोगों को इसके कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । इस समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान दिलाने के लिए आप समाचार-पत्र के किस शीर्षक के अंतर्गत छपने के लिए लेख भेजेंगे ?

(A) संपादक के नाम पत्र

(B) संपादकीय लेखन

(C) स्तंभ लेखन

(D) आलेख लेखन

(ii) निम्नलिखित शब्द-युग्मों को सुमेलित कीजिए :

	स्तंभ-I		*स्तंभ-II*
1.	एल.बी.डब्ल्यू.	(i)	क्रिकेट
2.	सेंसेक्स	(ii)	हॉकी
3.	बिकवाली	(iii)	शेयर बाज़ार
4.	कॉर्नर	(iv)	व्यापार जगत

विकल्प :

(A) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

(B) 1-(iii), 2-(ii), 3-(iv), 4-(i)

(C) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii)

(D) 1-(iv), 2-(ii), 3-(i), 4-(iii)

(iii) निम्नलिखित में किस तरह के लेखन में लेखक को काफी छूट होती है ?

(A) समाचार लेखन में

(B) संपादकीय लेखन में

(C) पत्रकारीय लेखन में

(D) साहित्यिक लेखन में

https://www.evidyarthi.in/

(iv) प्रकाशन के लिए जाने वाली सामग्री से ग़लतियों और अशुद्धियों को हटाकर उसे प्रकाशन योग्य बनाने की जिम्मेदारी होती है :

(A) पत्रकार

(B) उप-संपादक

(C) विशेष संवाददाता

(D) संपादक और उसकी टीम

(v) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है :

(A) समाचार-पत्र/पत्रिका

(B) रेडियो

(C) टेलीविज़न

(D) फ़िल्में

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

5. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इस शहर में वसंत
अचानक आता है
और जब आता है तो मैंने देखा है
लहरतारा या मडुवाडीह की तरफ़ से
उठता है धूल का बवंडर
और इस महान पुराने शहर की जीभ किरकिराने लगती है
    जो है वह सुगबुगाता है
    जो नहीं है वह फेंकने लगता है पचखियाँ
    आदमी दशाश्वमेध पर जाता है
    पाता है घाट का आखिरी पत्थर
कुछ और मुलायम हो गया है
सीढ़ियों पर बैठे बंदरों की आँखों में
एक अजीब सी नमी है
और एक अजीब सी चमक से भर उठा है
भिखारियों के कटोरों का निचाट खालीपन

https://www.evidyarthi.in/

(i) काव्यांश में बनारस शहर के किस परिवेश का चित्रण हुआ है ?

(A) आध्यात्मिक व सामाजिक (B) आध्यात्मिक व सांस्कृतिक

(C) सामाजिक व दार्शनिक (D) दार्शनिक व आधुनिक

(ii) 'दशाश्वमेध घाट का आखिरी पत्थर कुछ और मुलायम हो गया है' – पंक्ति का भाव है :

(A) पाषाण हृदय व्यक्ति के व्यवहार में भी सहजता आ गई है ।

(B) लोगों के आने-जाने से पत्थर चिकना हो गया है ।

(C) गंगा-जल के बार-बार स्पर्श से पत्थर की कठोरता कम हो गई है ।

(D) लोगों के पैरों के स्पर्श से पत्थर कुछ मुलायम हो गया है ।

(iii) 'जो है वह सुगबुगाता है' पंक्ति के संदर्भ में 'सुगबुगाना' का आशय है :

(A) तीव्र गति से आग का भड़कना (B) भीतर ही भीतर क्रोध में जलना

(C) धीमी गति से आग का जलना (D) चेतना का संचार होना

(iv) घाट पर बैठे किनकी आँखों में अजीब सी नमी है ?

(A) बंदरों की (B) भिखारियों की

(C) स्नानार्थियों की (D) पुजारियों की

(v) 'कटोरों का खालीपन' किस चमक से भर उठता है ?

(A) वसंत के आगमन से (B) श्रद्धालुओं के आगमन से

(C) भिक्षा मिलने की उम्मीद से (D) पूजा-पाठ की सामग्री से

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

यह जो मेरे सामने कुटज का लहराता पौधा खड़ा है वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है । इसलिए यह इतना आकर्षक है । नाम है कि हज़ारों वर्ष से जीता चला आ रहा है । कितने नाम आए और गए । दुनिया उनको भूल गई, वे दुनिया को भूल गए । मगर कुटज है कि संस्कृत की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जमके बैठा, सो बैठा ही है । और रूप की तो बात ही क्या है ! बलिहारी है इस मादक शोभा की । चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है । और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है । कितनी कठिन जीवनी-शक्ति है ! प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है ।

https://www.evidyarthi.in/

(i) कुटज के आकर्षक होने का प्रमुख कारण है :

(A) उसका नाम (B) उसका रूप-सौंदर्य

(C) उसकी मादक शोभा (D) उसकी जिजीविषा

(ii) कुटज हरा-भरा बना हुआ है :

(A) वायुमंडल से रस प्राप्त कर

(B) चट्टानों की छाती से रस खींचकर

(C) आकाश से बरसने वाली जलराशि प्राप्त कर

(D) पर्वतों पर बहने वाली नदियों से जल प्राप्त कर

(iii) कुटज के आसपास की परिस्थितियों के विषय में क्या असत्य है ?

(A) जीवन को पुलकित करने वाली परिस्थितियाँ हैं ।

(B) झुलसाती धूप तथा धधकती लू के तेज झोंके हैं ।

(C) दूर-दूर तक निःशब्द सन्नाटा पसरा हुआ है ।

(D) नीचे न प्राणदायी मिट्टी है, न खाद और पानी है ।

(iv) 'जीवनी-शक्ति ही जीवनी-शक्ति को प्रेरणा देती है ।' – पंक्ति का आशय है :

(A) संघर्ष-शक्ति ही मनुष्य को जीवनी-शक्ति प्रदान करती है ।

(B) जीने की इच्छा ही मनुष्य को भयभीत न होने की शक्ति प्रदान करती है ।

(C) जीने की इच्छा ही मनुष्य को संघर्ष करने की शक्ति प्रदान करती है ।

(D) जीवन शक्ति ही मनुष्य को मृत्यु से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है ।

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण पर विचार कीजिए और सर्वाधिक उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : गर्मी से जलती, तपती चट्टानों के बीच भी कुटज प्रसन्नतापूर्वक जी रहा है ।

कारण : उसने संघर्ष किया और जीवन के कुरुक्षेत्र से विजयी होकर निकला ।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं ।

(B) कारण ग़लत है, किंतु कथन सही है ।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है ।

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न) **40 अंक**

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5×1=5*

(क) जब अंतरिक्ष में भवन बन जाएँगे

(ख) दैनिक जीवन में मशीनों का बढ़ता उपयोग

(ग) बाज़ारों का बदलता स्वरूप

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए : *2×3=6*

(क) फ़ीचर को किसी बैठक या सभा के कार्यवाही-विवरण की तरह क्यों नहीं लिखा जाना चाहिए ?

(ख) नयी पीढ़ी के लिए इंटरनेट एक आदत-सी बनती जा रही है, क्यों ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) कहानी के संदर्भ में लिखिए कि द्वंद्व से क्या अभिप्राय है ? यह कहानी का महत्त्वपूर्ण तत्त्व क्यों है ?

(ख) क्या कविता लेखन की कला को प्रशिक्षण द्वारा सिखाया जा सकता है ? इस विषय में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'नाटक का मात्र एक मौन, अंधकार या ध्वनि प्रभाव, कहानी या उपन्यास के बीस-पच्चीस पृष्ठों की बराबरी कर सकता है ।' इस कथन को सिद्ध कीजिए ।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

10. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) 'सरोज स्मृति' गीत के आधार पर लिखिए कि सरोज का विवाह पारंपरिक विवाहों से किस प्रकार भिन्न था ।

(ख) 'तोड़ो' कविता का कवि विध्वंस के लिए नहीं उकसाता, सृजन की प्रेरणा देता है, सिद्ध कीजिए ।

(ग) विद्यापति की नायिका प्रेम में पूर्ण तृप्ति का अनुभव क्यों नहीं कर पाती ?

https://www.evidyarthi.in/

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : *6*

(क) यह मधु है – स्वयं काल की मौना का युग-संचय,
यह गोरस-जीवन-कामधेनु का अमृत-पूत पय,
यह अंकुर-फोड़ धरा को रवि को तकता निर्भय,
यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अयुत: इसको भी शक्ति को दे दो ।
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।

अथवा

(ख) रैनि अकेलि साथ नहिं सखी ।
कैसें जिऔं बिछोही पँखी ।।
बिरह सचान भँवै तन चाँड़ा ।
जीयत खाइ मुएँ नहिं छाँड़ा ।।
रकत ढरा माँसू गरा, हाड़ भए सब संख ।
धनि सारस होइ ररि मुई, आइ समेटहु पंख ।।

12. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करे, जो कहा जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है । घड़ी समय बतलाती है । किसी घड़ी देखना जाननेवाले से समय पूछ लो और काम चला लो । यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्ज़े गिन लें, उन्हें खोलकर फिर जमा दें, साफ़ करके फिर लगा लें – यह तुमसे नहीं होगा । तुम उसके अधिकारी नहीं । यह तो वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्ज़े जानें, तुम्हें इससे क्या ?

अथवा

https://www.evidyarthi.in/

(ख) भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम्स और संग्रहालयों में जमा नहीं थी – वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती, उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें – उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे । अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, इन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था । यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का है – भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता है ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : *2×2=4*

(क) आज एक जगह से दूसरी जगह संवाद/संदेश भेजने के लिए अनेक डिजिटल उपकरण उपलब्ध हैं, ऐसे में संवदिया की उपयोगिता पर अपने विचार लिखिए ।

(ख) 'शेर' कहानी के आधार पर शेर के मुँह और रोज़गार के दफ़्तर के बीच की समानता और भिन्नता को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी में लेखक ने मंसा देवी के मंदिर के पास होने वाले किस व्यापार का उल्लेख किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *3*

(क) 'अपना मालवा-खाऊ...' पाठ से उद्धृत 'अपने नदी, नाले, तालाब सँभाल के रखो तो दुष्काल का साल मज़े में निकल जाता है ।' कथन के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है और क्यों ?

अथवा

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में लेखक ने स्वयं देखे-भोगे यथार्थ को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ प्रस्तुत किया है । सिद्ध कीजिए ।

https://www.evidyarthi.in/